3. 'उसने कहा था' कहानी में अभिव्यक्त प्रेम की व्याख्या कीजिए। (15)

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

4. 'एक दुराशा' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'मजदूरी और प्रेम' निबंध का सार लिखिए।

5. 'बीबिया' संस्मरण के आधार पर बीबिया का चरित्र चित्रण कीजिए। (15)

अथवा

'सूखी डाली' में व्यक्त संयुक्त परिवार की समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

6. निम्नलिखित में किसी एक पर टिप्पणी लिखिए- (6)

(क) 'चीफ की दावत' में मध्यवर्गीय समाज की मानसिकता

(ख) बिबिया की चारित्रिक विशेषताएं

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 12626 **K**

Unique Paper Code : 2055092002

Name of the Paper : हिंदी गद्य विकास के विविधा चरण (ख)

Name of the Course : **B.Com. (Prog.) GE Hindi/III**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

SRI AUROBINDO COLLEGE
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किंहीं तीन गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- (8×3=24)

(क) पच्चीस वर्ष बीत गए। अब लहना सिंह नं. 77 राइफलस में जमादार हो गया है। उस आठ वर्ष की कन्या का ध्यान भी न रहा। न मालूम वह कभी मिली थी, या नहीं। सात दिन की छुट्टी लेकर जमीन के मुकदमे की पैरवी करने वह अपने घर गया। वहाँ रेजीमेंट के अफसर की चिट्ठी मिली कि मैं और बोधासिंह

भी लाम पर जाते हैं। लौटते हुए हमारे घर होते जाना। साथ चलेंगे। सूबेदार का गाँव रास्ते में पड़ता था और सूबेदार उसे बहुत चाहता था। लहना सिंह सूबेदार के यहाँ पहुँचा।

अथवा

माई लॉर्ड के शासन के छः साल हालवेल के स्मारक में लाठ बनवाने, ब्लैक-हाल का पता लगाने, अखतर लोनी की लाठ को मैदान से उठवाकर वहाँ विक्टोरिया मैमोरियल-हाल बनवाने, गवर्नमेण्ट हौस के आसपास अच्छी रोशनी, अच्छे फुटपाथ और अच्छी सड़कों का प्रबन्ध कराने में बीत गए। दूसरा दौर भी वैसे ही कामों में बीत रहा है। सम्भव है कि उसमें भी श्रीमान के दिल पसन्द मुहल्लों में कुछ और भी बड़ी-बड़ी सड़कें निकल जाएं और गवर्नमेण्ट हौस की तरफ से स्वर्ग कि उसकी असली दशा देखने के लिए और ही प्रकार की आँखों की जरूरत है। जब तक वह आँखें न होंगी, यह अंधेरे ही यहाँ की चला जावेगा।

(ख) माँ के चेहरे का रंग बदलने लगा, धीरे-धीरे उनका झुर्रियों-भरा मुँह खिलने लगा, आँखों में हल्की-हल्की चमक आने लगी।

"तो तेरी तरक्की होगी, बेटा?"

"तरक्की यूँ ही हो जाएगी? साहब को खुश रखूँगा, तो कुछ करेगा, वर्ना उसकी खिदमत करने वाले और थेड़े हैं?"

"तो मैं बना दूँगी, बेटा, जैसे बन पड़ेगा, बना दूँगी।"

और माँ दिल - ही - दिल में फिर बेटे के उज्जवल भविष्य की कामनाएँ करने लगीं और मिस्टर शामनाथ, "अब सो जाओ, माँ" कहते हुए, तनिक लड़खड़ाते हुए अपने कमरे की ओर घूम गए।

अथवा

शोक का विषय है कि हमारे और अन्य पूर्वी देशों में लोगों की मजदूरी से तो लेशमात्र भी प्रेम नहीं, पर वे तैयारी कर रहे हैं। पूर्वोक्त काली मशीनों का आलिंगन करने की। पश्चिमवालों के तो ये गले पड़ी हुई बहती नदी की काली कमली हो रही है। वे छोड़ना चाहते हैं, परन्तु काली कमली उन्हें नहीं छोड़ती। देखेंगे, पूर्ववाले इस कमली को छाती से लगाकर कितना आनन्द अनुभव करते हैं। यदि हम में से हर आदमी अपनी दस उँगलियों की सहायता से साहसपूर्वक अच्छी तरह काम करे तो हमीं, मशीनों की कृपा से बढ़े हुए पश्चिमवालों को वाणिज्य के जातीय संग्राम में ही सहज पछाड़ सकते हैं। सूर्य तो सदा पूर्व ही से पश्चिम की ओर जाता है। पर आओ, पश्चिम में आनेवाली सभ्यता के नए प्रभात को हम पूर्व से भेजें।

2. 'निबंध' विधा का सामान्य परिचय दीजिए। (15)

अथवा

'संस्मरण" विधा का परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

SRI AUROBINDO COLLEGE
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI